SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 19 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 322

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, 20 अगस्त को सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली | आरएनएस

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। 20 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश (CJI) डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

इससे पहले, कलकत्ता हाई कोर्ट ने मामले की जांच कोलकाता पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी थी। सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक जूनियर डॉक्टर के साथ हुई बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप बढ़ते जन दबाव और राज्य प्राधिकारियों द्वारा मामले के गलत तरीके से निपटने के आरोपों के मद्देनजर हुआ है। सीबीआई द्वारा पहले से ही जांच के तहत इस मामले ने भारत में चिकित्सा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पीड़ित महिला को न्याय दिलवाने की मांग की जा रही है।

पीड़िता आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के पद पर तैनात थी। उसे अस्पताल के सेमिनार हॉल में बेरहमी से हमला किया गया और बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। पीड़ित के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह घटना एक गैंगरेप थी और वे दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए गहन जांच की मांग कर रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि पीड़िता की मौत से पहले उसका यौन उत्पीडऩ किया गया था।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में धारा 163 लागू, अगले सात दिन तक प्रदर्शन और सभाओं पर रोक

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद देशभर में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच कोलकाता पुलिस ने आर.जी. कर अस्पताल के आसपास धारा 163 लागू कर दी है। कोलकाता पुलिस ने एक बयान में कहा, 18 अगस्त से अगले 7 दिनों के लिए आर.जी. कर अस्पताल के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत धारा 163 लागू की है। इस अवधि के दौरान वहां कोई सभा, धरना या रैली की अनुमति नहीं होगी। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों को सलाह दी थी कि वे महिला डॉक्टरों की रात की ड्यूटी लगाने से परहेज करें। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने महिला डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रातिरेर साथी नामक पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा, जहां तक संभव हो महिला डॉक्टरों को रात की ड्यूटी देने से परहेज करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं। सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में महिलाओं के प्रति अच्छा व्यवहार रखने वाले सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। ज्ञात हो कि बीते 9 अगस्त को कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के परिसर में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव रहस्यमयी परिस्थितियों में मिला था। वह पोस्ट ग्रेजुएट के दूसरे वर्ष की छात्रा थी और चेस्ट मेडिसिन विभाग में ड्यूटी करती थी। उसका शव इमरजेंसी बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर मिला था।

आरजी अस्पताल के 42 डॉक्टरों का तबादला रद्द, केंद्र ने राज्यों से हर दो घंटे में मांगी रिपोर्ट

कोलकत्ता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में कार्यरत 42 प्रोफेसरों और डॉक्टरों के तबादले के आदेश को रद्द कर दिया है। अस्पताल में एक महिला डॉक्टर की रेप के बाद हुई हत्या से नाराज सरकार ने एक दिन पहले ये कड़ा फैसला किया था। मगर केवल 24 घंटे में ही इस फैसले को पलट दिया गया। डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य लोगों के विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर सभी राज्यों से गृह मंत्रालय ने कानून व्यवस्था को लेकर हर दो घंटे में स्टेट्स रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य लोगों के विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर सभी राज्यों के पुलिस बलों को ''हर दो घंटे'' में स्टेट्स रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। राज्य पुलिस बलों को भेजे गए संदेश में गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रदर्शनों के मद्देनजर सभी राज्यों की लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पर नजर रखी जानी चाहिए। पुलिस फोर्स को भेजे गए संदेश में कहा गया, कृपया इस संबंध में कानून और व्यवस्था की स्थिति की हर दो घंटे की रिपोर्ट शाम चार बजे से फैक्स/ ईमेल/ व्हाट्सऐप द्वारा गृह मंत्रालय नियंत्रण कक्ष नई दिल्ली भेजी जाए। गृह मंत्रालय ने राज्य पुलिस बलों को फैक्स और व्हाट्सऐप नंबर तथा ईमेल आईडी भी उपलब्ध कराई है, जिस पर हर दो घंटे में स्थिति रिपोर्ट भेजी जाएगी। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में डॉक्टर और अन्य चिकित्सा कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

जयपुर के दो अस्पतालों में बम की सूचना से हडक़ंप, पुलिस-बम निरोधक दस्ता मौके पर, जांच जारी

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जवाहर नगर स्थित मोनी लेक हॉस्पिटल में बम की सूचना मिलने से पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया है। मेल के जरिये हॉस्पिटल में बम प्लांट होने की खबर दी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तुरंत मौके पर पहुंचकर अस्पताल परिसर को घेर लिया है। सुरक्षाकर्मियों ने पूरे इलाके को सील करके व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और मेल आईडी को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। सुबह 9 बजे से सर्च ऑपरेशन जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार सर्च ऑपरेशन पूरा होने में और 3 घंटे का समय लग सकता है। जिला प्रशासन और पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आम जनता से अपील की जा रही है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। बता दें मेल में लिखा- हॉस्पिटल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर बम है। हॉस्पिटल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। हर तरफ खून ही खून होगा। तुम सभी लोग मौत के ही लायक हो। मेल करने वाले ने खुद की पहचान को 'लखा आतंकवादी चिंग और कल्टिस्ट' के रूप में उजागर किया है।

दिल्ली में हिट एंड रन केस, साइकिल सवार को कार ने रौंदा, मौके पर ही मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के आश्रम इलाके में रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां साइकिल सवार को तेज रफ्तार लक्जरी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश के रूप में हुई है। वहीं, इस घटना के बाद मौके चालक फरार हो गया। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह साउथ ईस्ट दिल्ली के आश्रम इलाके में हिंट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां पर एक साइकिल सवार को मर्सिडीज चालक ने टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आगे की कार्रवाई चल रही है। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत इस मामले में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि कुछ समय पहले ही दिल्ली के कल्याणपुरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां एक तेज रफ्तार में आ रही कार ने कई लोगों को टक्कर मार दी थी। इस घटना में करीब 10 लोग घायल हो गए थे। घटना के दौरान, कार सवार आरोपी मौके से भागने के प्रयास में था। लेकिन, घटना के दौरान वहां की भीड़ ने आरोपी को पकड़ लिया। इस घटना के घायलों का इलाज लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में किया गया था।

सरिस्का से भागे टाइगर ने चार लोगों को किया घायल, झाबुआ के जंगल में फैली दहशत

रेवाड़ी (आरएनएस)। तीन दिन पहले राजस्थान के सरिस्का से भागा एक टाइगर रेवाड़ी के झाबुआ गांव के जंगल में पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। हरियाणा में प्रवेश करने से पहले इस टाइगर ने राजस्थान के दो गांवों में चार लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टाइगर को पकडऩे के लिए सात टीमों का एक रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है, लेकिन अभी तक वह टीमों के पिंजरे से बाहर है। देर शाम, टाइगर के पद चिन्ह झाबुआ के जंगल में देखे गए, जिससे पुलिस और वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, टाइगर सरिस्का से भागने के बाद काफी हिंसक हो चुका है। उसने राजस्थान के गांवों में खेतों में काम कर रहे किसानों पर हमला किया। गनीमत रही कि ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। किशनगढ़ बास के वन अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि टाइगर के देखे जाने की सूचना मिलते ही उनकी टीम राजस्थान के जाट जबौरा गांव पहुंची। वहां, टाइगर ने पहले से ही एक किसान को घायल कर दिया था।

बांके बिहारी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़, दम घुटने से श्रद्धालु की हुई मौत, अव्यवस्थाओं की खुली पोल

नई दिल्ली | आरएनएस

वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में रविवार को दर्शन के लिए भक्तों की उमड़ी भारी भीड़ के दबाव के कारण एक श्रद्धालु की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार श्रद्धालु हरियाणा का रहने वाला था।

दरअसल, वीकेंड और रक्षाबंधन पर्व को लेकर मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की ओर से कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। जिस कारण कई बार भीड़ बेकाबू होने का खतरा भी बना रहता है। शनिवार-रविवार वीकेंड पर दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त आए। इस बीच पूरी नगरी में पैर रखने की जगह नहीं बची। मंदिर के अंदर भक्तों की भीड़ अत्याधिक दबाव रहा। जिस कारण मंदिर में इतनी भीड़ थी कि दर्शन करने आए हरियाणा के 65 वर्षीय बुजुर्ग मामचंद सैनी का दम घुट गया और उनकी वहीं पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जब वह दर्शन करने के लिए पहुंचे तो भीड़ के दबाव में बेहोश हो गए। आनन फानन में उन्हें वृंदावन जिला संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉक्टर ने श्रद्धालु को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर शशी रंजन के अनुसार, श्रद्धालु की अस्पताल आने से पहले मौत हो चुकी थी।

बस और मैक्स गाड़ी के बीच भीषण टक्कर, 10 लोगों की दर्दनाक मौत; रक्षाबंधन के लिए घर जा रहे थे मृतक

बुलंदशहर | आरएनएस

यूपी के बुलंदशहर में रविवार को एक भयानक सडक़ हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सलेमपुर थाना क्षेत्र में हुई, जहां यात्रियों से भरी एक मैक्स गाड़ी की टक्कर सामने से आ रही बस से हो गई। हादसे के शिकार लोग गाजियाबाद की एक कंपनी में काम करते थे और रक्षाबंधन के अवसर पर अपने घर अलीगढ़ जा रहे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजियाबाद से चलकर मैक्स वाहन में सवार करीब 20-22 लोग अलीगढ़ जा रहे थे। जैसे ही यह वाहन बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र के पास पहुंचा, एक प्राइवेट बस से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मैक्स गाड़ी अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इस हादसे में मौके पर ही 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1 व्यक्ति ने बाद में दम तोड़ दिया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने हादसे में 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सडक़ पर चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

यह हादसा मेरठ-बदायूं हाईवे पर सलेमपुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि शिकारपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने एक वाहन को ओवरटेक करते समय मैक्स गाड़ी को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है, और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

पंजाब की युवती के साथ देहरादून में सामूहिक दुष्कर्म, पुलिस ने दो संदिग्ध पकड़े

देहरादून | आरएनएस

पंजाब से देहरादून आई किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वो रोडवेज बस से देहरादून पहुंची थी। पुलिस ने केस रजिस्टर कर दो संदिग्धों को हिरासत में ले पूछताछ शुरू कर दी है। मामला देहरादून आईएसबीटी का बताया जा रहा है। पता चला है कि देहरादून में पंजाब से आई एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। अज्ञात आरोपियों ने किशोरी के साथ बस में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। किशोरी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही है।

किशोरी पंजाब से 13 अगस्त की रात को देहरादून आई थी। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पंजाब से दिल्ली आई और फिर मुरादाबाद के रास्ते देहरादून पहुंची। जैसे ही किशोरी देहरादून आईएसबीटी पहुंची तो उसकी मानसिक हालत को देखते हुए कुछ अज्ञात आरोपियों ने कथित तौर पर उसके साथ बस में ही दुष्कर्म किया और उसके बाद मौके से फरार हो गए।

किशोरी को घटना के बाद चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) ने रेस्क्यू किया। कमेटी के सदस्यों ने जब किशोरी की काउंसिलिंग की तब उन्हें इस घटना का पता चला। इसके बाद उन्होंने तुरंत शनिवार देर रात पुलिस को इसकी सूचना दी। एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस ने बीती देर रात को 4 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जिसमें से पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की सदस्य प्रीति थपलियाल ने बताया कि बीती 13 अगस्त की शाम को आईएसबीटी के बाहर हेल्पलाइन की टीम ने एक किशोरी को बदहवास स्थिति में देखा था। जिसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को दी और उस किशोरी को रेस्क्यू किया गया। जब किशोरी को रेस्क्यू किया गया तब वो लगातार रो रही थी। फिर उसके बाद उसने बताया कि उसके साथ गलत काम किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए और किशोरी की मानसिक हालात को देखते हुए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने उसे बालिका निकेतन भेजा। जहां उसकी काउंसलिंग की गई। तब इस पूरी घटना का पता चला।

किशोरी ने बताया कि वो पंजाब की रहने वाली है और वो एक अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखती है। उसके माता पिता की मृत्यु हो चुकी है, वो अपने बहन और जीजा के साथ रहती थी। जिन्होंने उसे 11 अगस्त को अपने घर से निकाल दिया था।

पीड़िता ने बताया कि वो 12-13 अगस्त की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे देहरादून पहुंची थी और बस में से सभी लोग उतर गए थे, लेकिन वो बस में ही बैठी हुई थी। उसने बताया कि जब वो बस में बैठी हुई थी, तब उसके अलावा दो और लोग बस में बैठे हुए थे। उसके बाद थोड़ी देर बाद दो और लोग बस में आ गए। इसके बाद उन सभी ने मिलकर उसी बस में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम दिया।

पुलिस ने आईएसबीटी बस स्टैंड से उत्तराखंड परिवहन निगम के एक काउंटर पर बैठे कैशियर को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिया गया कर्मचारी परिचालक है, लेकिन उससे कैशियर का कार्य लिया जा रहा है। साथ ही पुलिस ने एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से सघन पूछताछ कर रही है।

पेड़ से बंधे मिले युवक-युवती के अधजले शव, इलाके में फैली दहशत; प्रेम प्रसंग से जुड़ा है मामला

छतरपुर | आरएनएस

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुश नगर में रविवार को पेड़ से बंधे युवक और युवती के अधजले शव बरामद किए गए। सूचना मिलने के बाद लवकुश नगर एसडीपीओ समेत थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। दोनों मृतकों की पहचान भी हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने युवक-युवती के हाथ जंजीरों से बांधकर उन्हें पेड़ से बांधा और जला दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले को जल्द सुलझाने में लगी है।

एसडीपीओ नवीन दुबे ने बताया कि मृतकों की पहचान हो गई है। आगे की जांच के लिए अन्य टीमें बुलाई जा रही हैं। मृतक युवती की उम्र करीब 29-30 साल होगी। युवती शनिवार से लापता थी। परिजनों ने बताया कि रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से जांच शुरू कर दी है। युवती लवकुशनगर के वार्ड नंबर 15 की निवासी बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, युवती लवकुश नगर की रहने वाली है और युवक गौरिहार थाना क्षेत्र के खड्डी गांव का बताया जा रहा है। दोनों के शव पेड़ों से जंजीर से बंधे थे और जंजीर में ताला लगा था। घटनास्थल के पास ही दोनों के मोबाइल और एक ईयरफोन मिले हैं। इसके साथ ही युवती का पर्स भी घटनास्थल पर मिला है और कुछ पैसे भी बिखरे मिले हैं। घटना को अलग-अलग नजरिए से देखा जा रहा है। हालांकि, इस मामले को प्रेम प्रसंग से जोडक़र भी देखा जा रहा है।

दो एयरपोर्ट टर्मिनल समेत पांच नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट की ओर से पांच नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्टों में बेंगलुरु, ठाणे और पुणे की मेट्रो और बिहार एवं पश्चिम बंगाल में नए एयरपोर्ट टर्मिनल शामिल हैं।

कैबिनेट से बेंगलुरु मेट्रो के फेस-3 प्रोजेक्ट को अनुमति मिल गई है। इसके तहत 44.65 किलोमीटर के दो एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाएंगे, इसमें 31 स्टेशन होंगे। इसकी अनुमानित लागत 15,611 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

कैबिनेट ने महाराष्ट्र के ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को अनुमति दे दी है। इसका बजट 12 हजार 200 करोड़ रुपये तय किया गया है। इसमें 22 स्टेशन होंगे और यह 29 किलोमीटर लंबा होगा। यह प्रोजेक्ट ठाणे के नौपाड़ा, वागले एस्टेट, हीरानंदानी एस्टेट और कोलशेत जैसे अहम इलाकों को जोड़ेगा।

महाराष्ट्र के एक अन्य शहर पुणे मेट्रो के फेस-1 प्रोजेक्ट के तहत स्वारगेट से कात्रज की ओर मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना की लागत 2,054.53 करोड़ रुपये है। इसके अलावा कैबिनेट द्वारा पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे पर नया सिविल एन्क्लेव की मंजूरी दी गई है।

इसके तहत प्रस्तावित नया एकीकृत टर्मिनल भवन 70,390 वर्ग मीटर में फैल हुआ होगा। इसकी सालाना क्षमता एक करोड़ यात्रियों को संभालने की होगी। इस परियोजना की लागत करीब 1,549 करोड़ रुपये आएगी। बिहार के पटना स्थित बिहटा में नया सिविल एन्क्लेव बनाने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसमें 1,413 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके तहत 66,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ नया एकीकृत टर्मिनल भवन बनाया जाएगा, जो सालाना 50 लाख यात्रियों को सेवा देगा।

आसाराम की रिहाई के दिन खत्म, जोधपुर एम्स से मिली छुट्टी

सेंट्रल जेल में हुए शिफ्ट

जोधपुर | आरएनएस

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सजा काट रहे आसाराम को जोधपुर एम्स से छुट्टी मिल गई है। पुलिस आसाराम को शनिवार को पूरी सुरक्षा के साथ जोधपुर एम्स से सेंट्रल जेल ले गई। आसाराम पिछले कुछ दिनों से जोधपुर एम्स में भर्ती थे।

शनिवार को जोधपुर एम्स से डिस्चार्ज किए जाने के बाद आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के गेट पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल के गार्ड और पुलिस जवान कड़ी मशक्कत से आसाराम को एंबुलेंस में बैठाकर एम्स से बाहर निकले।

आसाराम की कुछ दिनों पहले अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने राजस्थान हाई कोर्ट में पैरोल की अर्जी लगाई थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश मुन्नुरी लक्ष्मण की खंडपीठ ने आसाराम को इलाज के लिए 7 दिन की पैरोल दे दी। आसाराम आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। करीब 11 साल बाद 13 अगस्त को पहली बार आसाराम को इलाज के लिए 7 दिनों की पैरोल मिली।

वो पुलिस कस्टडी में इलाज के लिए महाराष्ट्र जाएंगे। वहां पर पुणे के माधवबाग आयुर्वेदिक अस्पताल में उनका इलाज होगा। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश जेल प्रबंधन और पुलिस कमिश्नरेट को मिल चुके हैं।

आसाराम को पैरोल के दौरान सुरक्षा का पूरा खर्च उन्हें खुद उठाना पड़ेगा। इसमें उनकी सुरक्षा में मौजूद पुलिसकर्मियों के वेतन भत्ते भी शामिल हैं। इसका पूरा खर्चा पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर तय करेगा। पैरोल के दौरान मीडिया से बातचीत की भी मनाही होगी।

बता दें कि आसाराम के खिलाफ दुष्कर्म के दो मामले दर्ज हैं। इसकी वजह से वो जेल की सलाखों के पीछे हैं। नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पांच साल की लंबी सुनवाई के बाद 2018 में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

वहीं दूसरा मामला गुजरात के गांधीनगर आश्रम का है, जहां आसाराम के खिलाफ एक महिला ने रेप का मामला दर्ज करवाया था। गांधीनगर कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए साल 2023 में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।